ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:28.05.2024

उधम सिंह नगर (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-05-28 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	29/05/2024	30/05/2024	31/05/2024	01/06/2024	02/06/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	1.0	1.0	20.0
अधिकतम तापमान(से.)	41.0	40.0	39.0	38.0	38.0
न्यूनतम तापमान(से.)	27.0	27.0	26.0	26.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	65	65	65	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	14	14	14	12	12
पवन दिशा (डिग्री)	270	270	130	130	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	1	1	2	4

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (21 से 27 मई) 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 37.0 से 41.0 डिग्री सेल्सियस और 24.5 से 28.8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्ष आर्द्रता क्रमशः 51-59% और 33-39% के बीच रही , जबकि हवा पूर्व , दक्षिण-पूर्व, दक्षिण, पश्चिम और पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से 3.3-10.5 किमी प्रति घंटे की गति से चली। पिछले सप्ताह गर्म और आर्द्र तापमान के साथ साफ आसमान बना रहा। आगामी पूर्वानुमान 30 , 31 मई और 1 जून को 1-20 मिमी की हल्की से मध्यम वर्षा दर्शाता है और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 38.0-41.0oC और 26.0-27.0oC के बीच भिन्न होने की उम्मीद है। 12-14 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दक्षिण-पूर्व और पश्चिम दिशा से हवा चलने का अनुमान है। 31 मई और 1 जून को यूएस नगर में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। 30 मई को यू.एस.नगर में अलग-अलग स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की वर्षा होने की संभावना है। शेष अवधि के दौरान शुष्क मौसम बने रहने की संभावना है। 30 मई के लिए बिजली/तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ तूफान की घटना के संबंध में एक पीली चेतावनी दी गई है और 31 मई और 1 जून को अलग-अलग स्थानों पर तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ इसी तरह की स्थिति होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

किसान मौसम विज्ञान और बिजली के आंकड़ों के नियमित अपडेट के लिए क्रमशः गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से उपलब्ध "मेघदूत" और "दामिनी" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। एनडीवीआई क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 24.05.2024 से 30.05.2024 के दौरान भारी कमी वाली वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति को दर्शाता है। शुष्क हवा वाला मौसम बना रह सकता है इसलिए आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए और अन्य रासायनिक अनुप्रयोगों को मौसम की स्थिति के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, क्षेत्र में बिजली/गरज के साथ हल्की और मध्यम वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए सभी कृषि गतिविधियों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
चावल	नर्सरी की तैयारी	धान की रोपाई की नर्सरी गीली या सूखी विधि से तैयार की जा सकती है। सिंचित क्षेत्रों में गीली विधि से रोपाई से 15-20 दिन पहले नर्सरी तैयार की जा सकती है। इसमें पानी डाला जाता है और सभी खरपतवारों को अंकुरित होने दिया जाता है जिन्हें आगे खेत में ही जमा कर दिया जाता है। वर्षा आधारित क्षेत्रों में शुष्क विधि का प्रयोग किया जा सकता है। मध्यम अवधि वाली किस्मों जैसे नरेंद्र-359, पीआर 113 आदि की बुआई करनी चाहिए। गीली विधि से बुआई लाइन से लाइन की दूरी 20 सेमी और 4-5 सेमी की गहराई पर करनी चाहिए।
सूरजमुखी	पुष्पन/ परिपक्वता	फूल आने/बीज बनते समय आवश्यकतानुसार फसल की नियमित रूप से सिंचाई करनी चाहिए। परिपक्व सरों को पक्षियों और तोतों से बचाना चाहिए। परिपक्व सरों को काटकर सुखा ले। कीट के हमले को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कीटनाशक का उपयोग किया जाना चाहिए।
उर्द/मूंग	फली निर्माण/ परिपक्वता	फसल की आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा पूरी तरह पक जाने पर आवश्यकतानुसार कटाई भी की जा सकती है। मिट्टी की नमी बनाए रखें.
ढैंचा	वानस्पतिक	आवश्यकतानुसार फसल में नियमित सिंचाई करनी चाहिए।
गन्ना	वानस्पतिक	निराई-गुड़ाई के साथ नियमित सिंचाई करनी चाहिए। गन्ने में काला कीट लगने पर किसान भाई फसल में क्यूनालफॉस 25 ईसी को 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए।
वसंत मक्का	भुट्टा भरना	टैसलिंग के बाद भुट्टा भरने के चरण में नियमित सिंचाई की जानी चाहिए और उपज के नुकसान को रोकने के लिए पक्षियों को डराने के तरीकों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
लोबिया	फली निर्माण/ परिपक्वता	फसल की आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा पूरी तरह पक जाने पर आवश्यकतानुसार कटाई भी की जा सकती है। मिट्टी की नमी बनाए रखें.
कद्दू वर्गीय सब्जियों/ अन्य खीरे के प्रजातियां	वानस्पतिक/फलदायी	पत्तियों के धब्बेदार दिखने की स्थिति में, पौधों को अलग कर देना चाहिए और रस चूसने वाले कीटों के लिए सर्वांगी का उपयोग करना चाहिए। आवश्यकतानुसार नियमित सिंचाई करनी चाहिए और इन फसलों में फूल झड़ने से रोकने के लिए नमी संरक्षण के उपाय करने चाहिए। कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
भिंडी	वानस्पतिक/फलदायी	किसानों को तैयार मिर्च की फसल की कटाई पूरी करने की जरूरत है, साथ ही वायरल बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए संक्रमित पौधों (जब सिकुड़ी हुई और गुठलीदार पत्तियां दिखाई दें) को हटा दें और नष्ट कर दें और रस-चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशकों का छिड़काव करें। झुलसा रोग के प्रकोप को रोकने के लिए मैंकोजेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर

		ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव करें। मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए छिड़काव करना चाहिए। फूल झड़ने से रोकने के लिए फसल में नमी बनाए रखें।
आम	फल बनना	उच्च तापमान के कारण फल गिर सकते हैं और फल की वृद्धि प्रभावित हो सकती है, इसलिए नियमित रूप से पानी और 1% बोरान का छिड़काव करना चाहिए। नमी के संरक्षण के लिए नियमित सिंचाई और गीली घास का अभ्यास करना चाहिए। कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
लीची	फल बनना	कम पानी और नमी के कारण फल टूटते हैं इसलिए गर्मी से बचने के लिए नियमित रूप से पानी और 1% बोरान का छिड़काव करना चाहिए। नमी के संरक्षण के लिए नियमित सिंचाई और गीली घास का अभ्यास करना चाहिए। कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	लू के कारण पशुओं में गर्मी के तनाव की स्थिति को रोकने के लिए शेड में निरंतर पानी की आपूर्ति बनाए रखी जानी चाहिए। विदेशी गायों की उत्पादकता बनाए रखने और उन्हें बीमारियों से बचाने के लिए पंखे, कूलर या नवीनतम शीतलन उपकरण जैसे शीतलन उपकरणों का उपयोग करके पशु शेड का तापमान बनाए रखा जाना चाहिए। पीने के नालों को साफ रखना चाहिए और जानवरों को दिन में कम से कम चार बार पानी पिलाना चाहिए। यदि दुधारू पशुओं में मास्टिटिस के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत इसका इलाज कराएं।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	गन्ना एवं कद्दूवर्गीय फसलों में अंतरसांस्कृतिक क्रियाएं करनी चाहिए। फसलों में शाम के समय सिंचाई करनी चाहिए। नमी संरक्षण के लिए मल्च का प्रयोग करना चाहिए।